एम.जे.वाई.-004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम.ए.जे.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.जे.वाई.-004 : कुण्डली निर्माण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल **दो** खण्डों में विभाजित है । **सभी** खण्ड **अनिवार्य** हैं । खण्डों में दिए गए निर्देशों के आधार पर ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

निर्देश : *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :* *3×20=60*

1. विंशोत्तरी दशा से आप क्या समझते हैं ? इसके साधन की विधि का उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए ।

2. योगिनी दशा क्या है ? विधि का उल्लेख करते हुए उदाहरण सहित विस्तार से वर्णन कीजिए ।

3. उदाहरण के द्वारा अन्तर्दशा और प्रत्यन्तर दशा का वर्णन कीजिए ।

4. सूर्योदय, सूर्यास्त एवं दिनमान को परिभाषित करते हुए उदाहरण के साथ विस्तृत उल्लेख कीजिए ।

5. पञ्चाङ्ग द्वारा सूर्यादि ग्रहों का किस प्रकार स्पष्टीकरण किया जाता है ? सप्रमाण वर्णन कीजिए ।

6. लग्नसाधन का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए ।

खण्ड ख

निर्देश : *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं ।* *4×10=40*

7. भभोग और भयात निकालने की विधि का उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए ।

8. पलभा और चरखण्ड को परिभाषित कीजिए ।

9. सूक्ष्मदशा एवं प्राणदशा का वर्णन कीजिए ।

10. षड्वर्ग से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण वर्णन कीजिए ।

11. पाराशरीय मत से दृष्टिविचार का उल्लेख कीजिए ।

12. राशि किसे कहते हैं ? राशि स्वरूप एवं आकाशीय संरचना पर प्रकाश डालिए ।

13. होरा का क्या स्वरूप है ? इसके ज्योतिषशास्त्रीय सिद्धांत का वर्णन कीजिए ।

14. अष्टकवर्ग के साधन की विधि क्या है ? उल्लेख कीजिए ।